यूपी की मिलें बनेंगी शुगर कॉम्प्लेक्स

■ संतोष वाल्मीकि

- चीनी मिल संघ के साथ कई विदेशी कारोबारी समूहों की चल रही बात
- स्वदेशी निवेशकों को भी आकर्षित करने के चल रहे प्रयास

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चीनी उद्योग में नया निवेश लाने की तैयारी की जा रही है। पिछले कुछ दिनों से राज्य की निजी चीनी मिलों के संगठन यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन (यूपी इस्मा) के साथ अमेरिका, सिंगापुर, जापान के अलावा कुछ स्वदेशी कारोबारियों की मंत्रणा चल रही है। अमेरिकी निवेश कंपनी गोल्डमैन सैक्स, सिंगापुर सरकार के गवर्नमेंट इन्वेस्टमेंट कारपोरेशन, जापान की होमा मात्सु के अलावा आदित्य बिड़ला सनलाइफ के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत जारी है।

यूपी इस्मा के महासचिव दीपक गुप्तारा के अनुसार इन कंपनियों ने प्रदेश की मौजूदा चल रही निजी चीनी मिलों में कम्प्रेस्ड बायोगैस, ग्रीन हाइड्रोजन, पोटाश, अनाज से बनने वाले एथानॉल, ग्रीन एथानॉल जैसे नए उत्पादों के लिए निवेश आधारित भागीदारी में दिलचस्पी जताई है। अभी तक प्रदेश की चीनी मिलों में चीनी के अलावा बिजली, शीरा, शीरा आधारित एथानॉल का उत्पादन होता है। नए उत्पादों के उत्पादन की मंजूरी मिलने पर राज्य की चीनी मिलें शुगर काम्पलेक्स बन जाएंगी। प्रदेश में इस वक्त कुल 120 चीनी मिलें संचालित हैं, इनमें 24 सहकारी चीनी मिलें हैं। तीन राज्य चीनी निगम की हैं और बाकी 93 निजी क्षेत्र की मिलें हैं। प्रदेश में 36 चीनी मिलें बंद चल रही हैं। उन्होंने बताया कि यह कंपनियां प्रदेश में अपनी फैक्ट्रियां लगाने के बजाए राज्य की मौजूदा चल रही मिलों में ही नए उत्पादों के उत्पादन में आने वाली लागत में हिस्सेदारी लगाना चाह रही हैं। पेराई सत्र 2023-24 से बिजनौर में बिन्दरल समूह की एक नई मिल और डिस्टलरी शुरू हुई है। उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम की मथुरा के छाता स्थित दशकों से बंद पड़ी चीनी मिल को अत्याधुनिक मशीनरी के साथ फिर से शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

यूपी इस्मा के महासचिव गुप्तारा ने बताया कि चीनी उद्योग से उपलब्ध अवसरों का पूरा उपयोग करते हुए विदेशी व स्वदेशी निवेशकों को आकर्षित करने की शुरुआत हुई है। इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे।